आदरणीय श्रीमान / श्रीमती जी
सादर अभिवादन |

विषय :- आपके संस्थान या सीएसआर साथ मिलकर कार्य करने के सम्बन्ध में

महोदय,

जैसाकि आपको विदित है कि अब भारत सरकार की नई नीति के अनुरूप विभिन्न पाठ्यक्रम /कोर्स /प्रशिक्षण चलने चाहिए और नई आधुनिक विधा से परिपूर्ण धरातलीय व्यावहारिक कार्यक्रम करने होंगे| जिनका उद्देश्य भारतीय चेतना, मूल्य,ज्ञान आधारित शिक्षा के द्वारा भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने में योगदान देगी और जय जगत के सपना साकार होगा । परन्तु अभी तक इसके अनुकूल और मनोकूल कार्य विश्व में नहीं हो रहा है | मुझे लगता है कि हमें अपने मुख्यालय से इतर एक स्मृति संग्रहालय एवं शोध केन्द्र प्रस्तावित योजनानुसार कार्य करने की आवश्यकता है| जिससे हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ सकते हैं | यदि मुझे आपके संस्था में सेवा का अवसर मिलता है तो मैं इस कार्य को सम्पादित कर सकता हूँ | मैं अपने 26 से अधिक वर्षो के कार्य का संक्षिप्त परिचय दे रहा हूँ, इसके अतिरिक्त कुछ महत्वपूर्ण बातों को गुप्त या भविष्य के शोध हेतु रखा गया है|

विश्वविद्यालय स्तर-

ह्यूमैनिटीटेक इंडिया ट्रस्ट द्वरा विश्व गुरु भारत विश्व विद्यालय,उत्तराखंड में स्थापना हेतु संस्थापक सदस्य के रूप में सरकार को प्रस्ताव देना और परियोजना निर्माण में सहयोग देना | अंतरराष्ट्रीय रोमा सांस्कृतिक विश्वविद्यालय के लिए अवैतनिक अंतरराष्ट्रीय सलाहकार के रूप में सहयोग | इसके अतिरिक्त विभिन्न विश्वविधालय,महाविद्यालयों मुख्य अतिथि के रूप में व्याखान |

1-म.प्र. भोज मुक्त विश्वविधालय,भोपाल मे लेक्चरर (शैक्षिक सलाहकार) कार्य के दौरान मैंने एम.ए (प्राचीन भारतीय इतिहास,संस्कृति एवं पुरातत्व विज्ञान), स्नातकोत्तर पात्रोपाधि होटल प्रबंधन एवं पर्यटन, स्नातकोत्तर पात्रोपाधि धरोहर प्रबंधन एवं संग्रहालय विज्ञान के छात्रों कों अध्यापन,व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम आधारित पाठ्य सामग्री निर्माण में सहयोगी के रूप में कार्य किया है, साथ ही प्रायोगिक परीक्षा हेतु क्षेत्रगत कार्य, मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण, सर्वेक्षण, वृतचित्रों की पटकथा का आलेख लेखन, फिल्मांकन तथा पुरातत्व सामग्री का अस्थाई प्रदर्शनी में निर्देशन के कामों को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

2-पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविधालय, छत्तीसगढ़ के साथ मिलकर शिक्षकों के लिए प्राथमिक भाषा शिक्षण कोर्स की पाठ्य सामग्री का निर्माण, समन्वयन एवं सञ्चालन भी किया गया है |

3-सेण्टर फॉर एडवांस स्टडी इंडोलोजी एंड म्युजियोलोजी के प्राच्य निकेतन महाविधायालय, भोपाल मे स्नातकोत्तर उपाधि प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विज्ञान तथा स्नातकोत्तर पात्रोपाधि संग्रहालय विज्ञान के विधयार्थियों के लिए अध्यापन का काम किया है ।

4-मौलाना आजाद प्रौधोगिकी विश्वविधालय मे यूजीसी की वृहद् परियोजना मे शोध सहायक के दौरान हड़प्पा सभ्यता के मुहर, ठप्पों, अभिलेखों मे अंकित लेखों मे लिखी भाषा और बातों पर शोधकार्य किया है|

विद्यालय स्तर-

1-भारत सरकार एवं सयुक्तराष्ट्र के जनशाला कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश राजीव गाँधी शिक्षा मिशन/ राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल मे अकादमिक एवम तकनीकी सलाहकार के दौरान मै सामाजिक विज्ञान मे (इतिहास) विषय विशेषज्ञ के रूप मे सेवा दी, साथ ही पर्यावरण विज्ञान विषय के काम का भी दायित्व निभाया है। यहाँ डीपीईपी, जनशाला, सर्वशिक्षा अभियान के विभिन्न परियोजनाओं मे भी सक्रिय रूप से जुड़ा रहा। यहाँ से मेरी लिखी कई पाठ्यपुस्तकों ,शैक्षणिक सीडी, शिक्षक प्रशिक्षण माड्यूल , सेतु पाठयक्रम, बैकल्पिक शाला, शिक्षा गारंटी शाला, स्वाधिगम सामग्री ,शिक्षण सहायक सामग्री, ओपन स्कूल की पाठ्यपुस्तक, डी.एल.एड व विभिन्न प्रकार की लिखी गई पाठयसामग्री का प्रकाशन म.प्र शासन ने किया है । यहाँ अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन के “लर्निंग गारंटी परियोजना” के लिए पर्यावरण विषय में

विशेषज्ञ एवं मध्य प्रदेश सरकार के जिला प्रभारी अधिकारी के रूप मे कई जिलों स्थिति का अवलोकन कर योजना निर्माण समस्या का तुरंत समाधान किया है । सरकार के लिए राज्य पाठ्यचर्या की रुपरेखा के निर्माण और राज्य के सभी शिक्षक, गुरूजी के लिए शिक्षक संदर्शिका का प्रकाशन भी पाठ्यपुस्तक निगम ने किया है |

2-नांदी फ़ाउंडेशन म॰प्र मे Program executive के पद पर मैंने भारत के सबसे पिछड़े क्षेत्र श्योपुर जिले मे चाइल्ड राइट विभाग के अन्तर्गत ई.सी.एल. कार्यक्रम के अन्तरगत हिंदी भाषी राज्यों के साथ साथ शैक्षिक (सीखना सीखना) प्रक्रिया से जुड़ा रहा, यहाँ शिक्षक प्रशिक्षण, अनुवीक्षण, मूल्यांकन, बच्चों-शिक्षक के लिए शिक्षण सहायक सामग्री निर्माण एवं बलिका शिक्षा नन्हींकली" कार्यक्रम तथा "मैं और मेरा अंचल" गसवानी में "गतिविधि केंद्र" (शैक्षिक संग्रहालय) की संकल्पना, निर्माण, सञ्चालन और अन्य नवाचारी अवधारणा से भी संपादन मार्गदर्शक के रूप में रहा हूँ | बच्चों के लिए 21 अभ्यास पुस्तकों का प्रकाशन फाउंडेशन ने किया हैं छतीसगढ़ सरकार ने इन्हें पूरे राज्य के लिए भी छपवाया था |

3-आर्क इंडिया में स्कूल लीडर ऑफ़ इंडिया परियोजना मे सलाहकार (ARK-Fellow) के रूप मे दिल्ली राज्य के चयनित विद्यालय के लीडर को उन्मुखीकरण, अभिमुखीकरण, स्थानीय, क्षेत्रीय सन्दर्भ सहयोग, निर्देशन, प्रशिक्षण, अनुवीक्षण, मूल्यांकन तथा सामग्री निर्माण से जुड़ा रहा था।साथ ही वीरमनी पब्लिक स्कूल में मैनेजर का दायित्व निभाया है और NCERT के रीडिंग सेल (पठन कार्यक्रम) के Mathura प्रोजेक्ट के लिए भी प्रशिक्षण काम किया |

4-रूम टु रीड इण्डिया ट्रस्ट मे पठन लेखन निर्देशित परियोजना में कार्यक्रम अधिकारी उत्तराखंड के रूप में हरिद्वार मे पदस्थ रहा जहाँ 11 देशों के लिए एकीकृत साक्षरता पायलट परियोजना का क्रियान्वयन किया था | जिसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान भी मिला | शिक्षक ,बच्चों और समुदाय द्वारा अनुकूलित शोध के अतिरिक्त रूम टु रीड इण्डिया ट्रस्ट द्वारा विकसित बच्चों ,शिक्षकों,समुदाय सदस्यों एवं पुस्तकालयों के लिए पठन लेखन तथा पाठन हेतु शिक्षण सहायक सामग्री, शिक्षण प्रशिक्षण सामग्री, स्वाधिगम सामग्री, अभ्यास पुस्तकों एवं शिक्षक निर्देशक पुस्तकों तथा सामग्री को विकशित करने में विभिन्न कार्य के अतिरिक्त इनका लेखन, संपादन एवं समन्वयन भी किया हैं।

5-भारत लोक सेवा संस्थान उत्ताराखण्ड (भारत) के साथ राज्य कार्यक्रम प्रबंधक (उत्ताराखंड एव मध्यप्रदेश)के रूप में दोनों राज्यों में वैकल्पिक शिक्षा केंद्र, पशु-पक्षीय के लिए पिन्जरपोल, हमारी धरोहर-हमारी पहचान,प्रोजेक्ट अष्टावक्र के साथ साथ सम्पूर्ण शिक्षा के आयामों पर कार्य किया गया जहाँ अनुभव जनित ज्ञान आधारित शिक्षा के नवाचार करने अवसरों का लाभ मिला और राष्ट्रीयस्तर पर शिक्षकों, बच्चों और सामाजिक सदस्यों के साथ शिक्षाटन-भिक्षाटन कार्यक्रम भी चलाये गए | शिक्षक सन्दर्भ समूह के द्वारा भी शिक्षको और शिक्षा से जुड़े लोगों को स्वप्रेरित,अनुशाषित समूहों का सञ्चालन भी किया गया |

6-लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन के छतीसगढ़ राज्य में कार्यक्रम प्रबंधक के रूप में भी कार्य करने का मौका मिला जहाँ शिक्षकों के लिए प्राथमिक भाषा शिक्षण के विभिन्न कोर्स का समन्वयन एवं सञ्चालन किया गया साथ ही राज्य सरकार और यूनिसेफ के साथ मिलकर प्रारंभिक भाषा शिक्षण के लिए विभिन्न कोर्स, स्वाधिगम सामग्री, शिक्षण सहायक सामग्री, ऑडियो वीडियो सामग्री का आलेख लेखन एवं निर्देशन, बहुभाषाशिक्षण, शिक्षक प्रशिक्षणों, संगोष्ठी, बैठकों में राज्य का प्रतिनिधित्व भी किया हैं

7-नीति आयोग द्वारा चयनित तीन राज्य में से एक मध्यप्रदेश में "साथ-ई" परियोजना में स्टेट ट्रांसफॉर्म प्रोग्राम के अंतर्गत कार्यक्रम प्रबंधक के रूप में पिरामल फाउंडेशन एजुकेशन लीडरशिप में सेवा दी हैं | जहाँ सम्पूर्ण राज्य में शिक्षा के व्यापक बदलाव हेतु नीति के मापदंडों पर कार्य किया है साथ ही आसपास की खोज -भाग 2, ड्रीम ए ड्रीम फाउंडेशन, इमोयी विश्व विद्यालय - दलाई लामा फाउंडेशन पिरामल फाउंडेशन के संयुक्त रुप से संचालित सोसल इमोशनल इथिकल लर्निंग के प्रशिक्षण सह-शिक्षण पाठ्यक्रम को भी पूर्ण किया तथा सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के 1164 धरोहर विद्यालय को चिन्हित कर योजना का निर्माण किया गया |

8-जिज्ञासा प्रोजेक्ट वोडाफोन-आईडिया द्वारा "कार्पोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी" (सी.एस.आर.) के अन्तर्गत वित्त पोषित और इसे आई.पी.ई.-ग्लोबल, सेंटर फॉर नॉलेज एंड डेवलपमेण्ट, नई दिल्ली द्वारा क्रियान्वित किया गया था इसमें राज्य प्रमुख और समन्वयक-उत्तराखंड के रूप में सेवाएँ दी हैं | इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षकों को डिजिटल तकनीकी के उपयोग को बढावा देने के लिए, उनके ज्ञान और कौशल को सुदृढ करने की क्षमता का विकास

करना था, जिससे कि वे शैक्षिक प्रक्रियाओं को समृद्ध् बना सकें। जिसमे खेल माड्यूल , डिजिटल शिक्षण सामग्री सामग्री एवं विभिन्न प्रकार के उपकरण भी विद्यालय को प्रदान किये गए | हरिद्वार, केदारनाथ, गंगा, खेल, आसपास की खोज, मॉडल स्कूल , गुरुशाला पोर्टल , डार्ट, सील, शिक्षक एवं बच्चों को स्कालरशिप , कोविड प्रभावित शिक्षकों के परिवार को राशन एवं उनके आश्रित बच्चों के लिए छात्रवृति भी दी गई |

वैकल्पिक/अनौपचारिक शिक्षा-

1-कम्पुटर आधारित साक्षरता कार्यक्रम एवं महिलाओ के लिए सिलाई कड़ाई, सौन्दर्य प्रशाधन, जूता निर्माण, मेहदी और अन्य कौशलों से संबधित 450 से अधिक केन्द्रों को एन.सी. आर में केन्द्रों को उन्मुखीकरण, अभिमुखीकरण, सन्दर्भ सहयोग, परियोजना का निर्देशन, प्रशिक्षण, अनुवीक्षण, मूल्यांकन तथा अनौपचारिक शिक्षा के लिए अकादमिक (माड्यूल, अभ्यास पुस्तिका, शिक्षक संदर्शिका,पठन लेखन कार्ड,स्लोगन और टाटा कॉन्ट्रैजैंसी सर्विस द्वारा निर्मित साक्षरता के लिए भी सामग्री निर्माण से जुड़ा रहा हूँ ।

2-सलाम बालक ट्रस्ट के बच्चों के लिए वैकल्पिक/अनौपचारिक शिक्षा के लिए हिंदी, गणित, अंग्रेजी भाषा के लिए माड्यूल का निर्माण किया गया है जिसे ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित करा कर सम्पूर्ण राष्ट्र में उपयोग कर रहे हैं |

3-परिचय इंडिया ट्रस्ट, विरमानी ट्रस्ट, बाईपास ट्रस्ट के लिए NRST और RST केन्दों के लिए सामग्री निर्माण और उन्मुखीकरण, अभिमुखीकरण, सन्दर्भ सहयोगदाता, परियोजना का निर्देशन, प्रशिक्षण, अनुवीक्षण, मूल्यांकन तथा इस अनौपचारिक शिक्षा के लिए अकादमिक माड्यूल, अभ्यास पुस्तिका, शिक्षक संदर्शिका, पठन लेखन कार्ड और अन्य सामग्री दी गई है | कस्तूरबा छात्रावास कार्यक्रम एवं सिलाई कड़ाई, सौन्दर्य प्रशाधन, स्थानीय उत्पाद निर्माण, मेहदी और अन्य हुनर कौशलों से परिचित कराय है |

4- सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत राज्य शिक्षा केंद्र ब्रिज कोर्स और कौशल विकास के लिए अभ्यास पुस्तक एवं मोड्यूल का लेखन एवं प्रशिक्षण कार्य |

5-राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र रायपुर में डी.एल.एड परीक्षा हेतु प्रश्न पत्र एवं उत्तर पत्रिका तथा अन्य महत्वपूर्ण लेखाजोखा के लिए जिला अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) का संपादन करना |

6-मध्य प्रदेश मुक्त विद्यालयी शिक्षा बोर्ड के लिए सामाजिक विज्ञानं विषय पर कक्षा 8 के बच्चों को पाठ्य पुस्तक का लेखन एवं संपादन किया गया है जो बच्चों को वितरित की जाती है |

विद्यालय प्रबंधन -

1-विरमानी पब्लिक स्कूल रूपनगर, नई दिल्ली में पाठ्यक्रम निर्माण सलाहकार के रूप में अल्प कालीन कार्य |

2-उत्तराखंड शिक्षा विभाग में विद्यालय प्रबंधन हेतु प्रशिक्षण माड्यूल निर्माण, प्रशिक्षण में सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में कार्य|

3- विभिन्न राज्यों के विद्यालय प्रबंधन एवं सञ्चालन हेतु, प्रशिक्षण,कार्यशालाओं,उन्मुखीकरण हेतु सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में कार्य किया |

शोध केन्द्र या संग्रहालय निर्माण -

1-मां आनंदमयी ट्रस्ट कनखल, हरिद्वार उत्तराखंड के लिए माँ आनंदमयी स्मृति संग्रहालय एवं शोध केन्द्र का निर्माण और सञ्चालन 1999-2000 में किया ।

2-1999 से 2001 मनसर पुरातात्विक स्थल संग्रहालय के निर्माण और संग्रहालय के प्रबंधक (क्यूरेटर) रहा हूं।

3-ग्राम गसवानी, जिला श्योपुर में बाल संग्रहालय का निर्माण और समन्वयन का कार्य 2005 -2009 के बीच किया गया है |

4-अमराबाबा (व्यक्तिगत)संग्रहालय दक्षिण काली मंदिर हरिद्वार परियोजना अभी प्रतीक्षारत है जिसके सञ्चालन श्री कैलाशानंद गिरी आचार्य निरंजनी अखाड़ा हरिद्वार द्वारा किया प्रस्तावित जाना है |

5-भोलागिरी महाराज का व्यक्तिगत संग्रहालय हरिद्वार में स्थापित किया जाना है जिसके सञ्चालन श्री भोलागिरी ट्रस्ट

द्वारा प्रस्तावित है |

पुरातात्विक उत्खनन -
कई पुरस्थलों के उत्खनन जैसे कुंतलपुर (कुतवार, मुरेना) नादनेर (होशंगावाद,म.प्र.) धोलावीरा, सारण (कच्छ गुजरात) रखीगढ़ी (नरनोद-हिसार, हरियाणा),मनसर (रामटेक-नागपुर, महाराष्ट्र) सिरपुर (महासमुंद छत्तीसगढ़) अल्पकालीन उत्खनन में गंगैखेदी (होशंगावाद,म.प्र.), कालीबंगा,रीवांगढ़ आरंग रायपुर से जुडा रहा | विश्वविद्यालय/विद्यालयों के बच्चो-शिक्षकों एवं समुदाय के सदस्यों को समय समय पर शोध,शैक्षणिक भ्रमण,जनजागरण हेतु मार्गदर्शन-सहयोग किया है |

प्रकाशन -
मध्यप्रदेश,उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा पाठ्यपुस्तक,पाठ्यक्रम,अभ्यासपुस्तक ,प्रशिक्षण मोड्यूल, ओपन स्कूल के लिए पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है | मध्य प्रदेश के विभिन्न पुरा स्थलों के वृतचित्र का प्रकाशन म.प्र. भोज ओपन विश्वविद्यालय एवं मल्टी मीडिया रीच लेसन CDs का प्रकाशन हेड स्टार्ट कार्यक्रम में राजीव गाँधी शिक्षा मिशन भोपाल द्वारा किया गया है | मनसर-सिरपुर उत्खनन की रिपोर्ट प्रकशित हो चुकी है जिसमे मेरे द्वारा अध्याय का लेखन हैं | सनातन पत्रिका / धम्म सेना मासिक पत्रिका में 25 से अधिक विषयों पर आलेख प्रकाशित हैं| इसके अतिरिक्त विभिन्न शोध पत्रिकाओं में आलेख का प्रकशन हो चूका है |

ब्रह्म विद्या एवं योग -
1- मानव उर्जा अनुसंधान केंद हरिद्वार में अनामिका जी के साथ क्वांटम हीलिंग (विक्टर स्कैन) द्वारा अनुसंधान कार्य |
2- अखण्ड महायोग के द्वारा संचलित अखण्ड महायोग का प्रशिक्षण एवं अभ्यास |
3- हरिदर्शन इंटरनेशनल,ग्रीन एंड ग्रीन इंडिया एंड इंटरनेशनल के साथ ब्रह्म विद्या एवं जीवन्त योग के लिए विभिन्न परियोजनाओ का सञ्चालन में योगदान है

आपके साथ मिलकर निम्नलिखित कार्य किया जाना प्रस्तावित है -
आवश्यकता आधारित परियोजना में सहयोग देना | संस्थापक / जिनके नाम पर संस्था (विश्व विद्यालय/ गुरुकुल/आश्रम) है, उनके नाम, जन्म/कर्म स्थल पर उनकी स्मृतियों को संरक्षित, संवर्धन हेतु एक संग्रहालय, शोध केन्द्र की स्थापना करना । किसी के व्यक्तित्व पर उनके जीवन, किये गए तथा जो कार्य पूर्ण नहीं हो सके उन पर वृतचित्र बनाना | सम्बंधित स्थलों पर तीर्थाटन / शिक्षाटन अनुभव यात्रा का और ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रमों का आयोजन कार्य करना | वैदिक, आधुनिक ज्ञान के लिए शिक्षा, संस्कृति, धरोहर, जीवन-कौशल हेतु विभिन्न नए कोर्स का निर्माण, समन्वयन, संचालन | बेहतर जीवन स्तर के लिए रोजगारपरक कार्यक्रम / मौलिक शोधकेन्द्र का सञ्चालन एवं सहयोग करना | रोजगार और सिद्धि कार्यक्रम का राष्ट्रीय स्तर पर नई शिक्षा नीति के अनुरूप कार्य करना | समाज / जीव जगत की सेवा या शिक्षाटन और नई परियोजनाओं का सञ्चालन एवं समन्वयन करना |

आपका

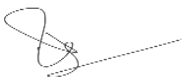

(धीरेन्द्र कुमार शर्मा)
म.नं 1467/45, बागबोहरे हनुमान मंदिर गली, विक्रम नगर, मुरेना,
मध्य प्रदेश (भारत)-476001
E-Mail dheerendra.sharma25@gmail.com
मोबाइल फोन- 9719066668,8279602880